जाने का पता चला है—ड्रैगलाइन्स, बेल्ट कन्वेयरों, कोयला कटिंग मशीनों, साइड डिस्चार्ज लोडर्स, आदि उपकरणों के संबंध में है। इन उपकरणों के आदेश पिछले 3 से 4 वर्षों के दौरान प्रस्तुत किए गए हैं।

(ग) कोयला कंपनिया उपकरण की तीव्र सुपुर्दगी के लिए निर्माताओं के साथ नियमित रूप से कारवाई कर रही हैं। इसके अलावा, मंत्रालय द्वारा निर्माताओं को उपकरणों की समय पर आपूर्ति किए जाने का सुनिश्चय करने के लिए कहा गया है।

कोयले के उत्पादन, प्रेषण और भंडारण में कमियां

3569. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कोयले के उत्पादन, प्रेषण और भंडारण रिपोर्टिंग प्रणाली की वर्तमान कमियों को दूर करने की जांच कार्य एक विशेषज्ञ दल को सौंपा है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) उक्त जांच कार्य कब सौंपा गया था और इस संबंध में प्रतिवेदन कब प्रस्तुत किया गया था ;

(घ) प्रतिवेदन में मुख्य-मुख्य बातें क्या हैं; और

(ङ) उस प्रतिवेदन के आधार पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) कोल इंडिया लि० (को० इ० लि०) के निदेशक बोर्ड ने अपनी दिनांक 22-12-1990 को सम्पन्न 113वीं बैठक में ऊपरी मलबा हटाने (ओ० बी० आर०) तथा कोयले के स्टाकों का निश्चित रूप से मापन किए जाने की विद्यमान पद्धतियों तथा प्रक्रियाओं की समीक्षा किए जाने के लिए एक उप-समिति की नियुक्ति की थी। इस उप समिति ने विस्तृत अध्ययन किए जाने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोल इंडिया लि० के निदेशक बोर्ड द्वारा दिनांक 22-8-1991 को उप समिति की रिपोर्ट को कुछ संशोधनों के साथ स्वीकार कर लिया गया है।

(घ) और (ङ) यथावत स्वीकृत सिफारिशों को संहित कर दिया गया है और इन्हें कोल इंडिया लि० द्वारा अपनी सहायक कंपनियों में सख्ती से क्रियान्वित किए जाने के लिए परिचालित कर दिया गया है। इस संहिता में ओ. का खानों में कोयला तथा ऊपरी मलबा हटाने (ओ० बी० आर०) के मापन, कोलियरी उपभोग के लिए कोयला जारी किए जाने संबंधी मानदंड तथा कोयला के स्टाकों में कमी पाए जाने संबंधी मामलों की जांच तथा कार्रवाई किए जाने संबंधी अंगीकृत की जाने वाली पद्धतियां निर्धारित की गई हैं।

कोयला संबंधी कार्यशालाओं में मशीनों की मरम्मत

3570. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयला मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत कार्यशालाएं समुचित ढंग से कार्य नहीं कर रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) गत तीन वर्षो में इन कार्यशालाओं के माध्यम से कितनी मशीनों की मरम्मत का कार्य किया गया ;

(घ) क्या यह सच है कि 100 से भी अधिक कार्यशालाएं मौजूद होने के